

वर्ष : 03
अंक : 35
पृष्ठ : 08
मूल्य : तीन रुपये

वाराणसी, रविवार, 26 मई, 2024

परिवर्तन दूत

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

आर.एन.आई. संख्या- UPHIN/2023/84879



4 पूरब और पश्चिम में बदलता...

mail : pdnewsvns@gmail.com

e-paper:www.parivartandoot.com

वेलकम टू द जंगल में जैकी... 7

संक्षिप्त खबरें

भारतीय को बेस्ट एक्ट्रेस का अवॉर्ड

नवी दिल्ली। 77वें कांस फिल्म फेस्टिवल में कोलकाता की रहने वाली एक्ट्रेस अनुषुड्या सेनपुत्रा ने बेस्ट एक्ट्रेस का अवॉर्ड अपने नाम किया है। अनुषुड्या को यह अवॉर्ड अन सर्टेन रिगाड़ सेपरेंट में फिल्म 'द शेललेस' में उनकी प्ररक्षणमें के लिए मिला है। इसके साथ ही वह कांस की पहली भारतीय एक्ट्रेस बन गई हैं जिन्हें इस अवॉर्ड से नवाजा गया है। अनुषुड्या ने यह अवॉर्ड दुनियार में समर्त्योंका समुदाय और हाईएं पर रहने वाले अन्य समर्त्यों को समर्पित किया है। एक्ट्रेस ने रेस्टेंज पर कहा कि ये सभी समर्त्यों बहादुरी से प्रेरित हैं। पांच फेज में 429 सीटों पर मतदान हुआ। पांच फेज में 429 सीटों पर मतदान हुआ। जो उन्हें नहीं लड़नी चाहिए। उन्हें समाज में बराबरी का हक पाने के लिए लड़ना पड़ रहा है।

प्रज्ञल को देवगौड़ा ने विदेश भेजा

कर्नाटक। सिद्धारमैया ने कहा है कि पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवगौड़ा के परिवार को पोते सासद प्रज्ञल रेवना के देश छोड़ने की बात पता थी, क्योंकि सेक्स वीडियो से जुड़े हुए हैं। सिद्धारमैया ने कहा, "मुझे लगता है कि देवगौड़ा ने ही प्रज्ञल को देश से बाहर भेजा था। क्या प्रज्ञल ने अपने परिवार की जानकारी के बिना देश छोड़ दिया?" उन्होंने कहा कि सेक्स वीडियो बायबल होना मामले का महत्वपूर्ण पहलू नहीं है। सबसे बड़ा अपराध ऐसा है। इस बात को कमज़ार करने के लिए कुमारस्वामी दूसरी बातें बोल रहे हैं। वे डिप्टी बी के शिवकुमार और दूसरी लोगों पर सेक्स वीडियो लीक करने का आरोप लगा रहे हैं। सिद्धारमैया ने कहा कि कुमारस्वामी को देश के कानून का समान करना होगा।

एप से आवाज बदलकर 7 छात्राओं से दुर्क्षम

सीधी। जिले के माझीली थाना क्षेत्र में आवाज बदलने वाले मैजिक वॉइस एप के जरिए तीन आरोपियों ने 7 से अधिक कॉलेज छात्राओं को ज्ञान देकर उनके द्वारा दुर्क्षम किया। आरोपी एप से कॉलेज टीचर बनकर महिला की आवाज में बात करते और स्कॉलरशिप के लिए दस्तावेज मंगवाने के नाम पर सुनसान जगह बुलाते थे। शक न हो, इसके लिए उन्हें पहले ही बात देते कि उन्हें तथ्यान पर लेने के लिए एक लड़का बाइक से आएगा जो उन्हें टीचर के पास पहुंचा देगा। मामले की सभी पीड़िताएं एसटी वर्ग की हैं। आरोपी उन कॉलेज छात्राओं को निशाना बनाते थे, जहां स्कॉलरशिप मिलती है। सोएम डॉ. मोहन नाथवर के द्वारा किये गए संदर्भ करने के लिए दुर्घटना हो गई। आरोपी के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

आठ राज्यों की 58 सीटों पर 58.82 प्रतिशत मतदान

बंगल में भाजपा कैंडिडेट पर हमला, पार्टी ने टीएमसी पर आरोप लगाया

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव के छठे फेज में शनिवार को 7 राज्यों और 1 केंद्र शासित प्रदेश की 58 सीटों पर वोटिंग शाम 6 बजे खत्म हो गई। चुनाव आयोग के मुताबिक, शनिवार को 58 सीटों पर शाम 6 बजे तक 58.82% वोटिंग हुई है। सबसे ज्यादा पश्चिम बंगाल में 78.19% और सबसे कम जम्मू-कश्मीर में 51.41% मतदान हुआ। पांच फेज में 429 सीटों पर मतदान हुआ। 1 जून को अधिकारी 56 सीटों पर वोटिंग होगी।

पश्चिम बंगाल के झारग्राम से भाजपा उम्मीदवार प्रणाली टूटू पर हमला हुआ। पश्चिम लगने से दो उम्मीदवारों की जानवाल घायल हो गए। मतदानों को धमकए जाने की शिकायत पिलाने के बाद टूटू गवर्नेंट में एक बूथ का दीरा जाड़प में एक बूथ का दीरा जाड़प में एक टीएमसी समर्थक के साथ जाड़प में एक टीएमसी समर्थक घायल हो गया। यहाँ से कलकत्ता हाईकोर्ट के पूर्व जज भाजपा के प्रत्याशी हैं।



पीड़ीपी की प्रत्याशी महबूबा मुफ्ती घायले पर बैठ गई। उन्होंने एसए के साथ छेड़छाड़ और मोबाइल फोन का आउटोगोइंग कॉल बंद करने का आरोप लगाया है। 2019 में इन सीटों पर सबसे ज्यादा भाजपा 40, बसपा 4, बोंडो 4, सपा 1, जदयू 3, टीएमसी 3, एलजेपी और आजूसू ने 1-1 सीट जीती थीं। लोकसभा चुनाव के छठे फेज में जम्मू-कश्मीर की अनंतनाग-राजोरी संसदीय सीट पर 53 प्रतिशत मतदान हुआ, जो 35 साल में सबसे अधिक है। साल 1996 में यह आंकड़ा 50 प्रतिशत था। कुल मिलाकर जम्मू और कश्मीर की सभी पांच संसदीय सीटों पर मतदान 58 प्रतिशत था, जो 2014 में दर्ज 49.58 प्रतिशत और 1996 में 47.99 प्रतिशत को पार कर गया। अनंतनाग-राजोरी लोकसभा सीट पर वोट डालने के बाद एक कस्तीरी हिंदू वीर सराफ ने कहा कि मैंने 32 साल बाद कश्मीर में अपना बोट डाला है।

एजेंट साइन करते हैं। इन सेंटर्स पर टीएमसी के एजेंट मौजूद नहीं थे, इसलिए सिर्फ भाजपा एजेंट्स के साइड हैं। पश्चिम बंगाल के तमसुक में वोटिंग पर हमले भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ जाड़प में एक टीएमसी समर्थक घायल हो गया। यहाँ से कलकत्ता हाईकोर्ट के आरोप लगाया है। चुनाव आयोग ने इस पर कहा कि वोटिंग शाम 6 बजे तक अंत रही है।

यूपी में 14 सीटों पर 54.02% वोटिंग

आजमगढ़ में लाठीचार्ज, पोलिंग बूथ पर गिरी महिला, मौत



लग्नखन। लोकसभा चुनाव के 6वें चरण में 14 सीटों पर वोटिंग खत्म हो गई है। शाम 6 बजे तक 54.02% सबसे ज्यादा अंडेकरनर में 61.543% और सबसे कम फूलपुर में 48.940% वोटिंग हुई। प्रयागराज में पुलिस ने कांग्रेसी कार्यकर्ताओं का पोलिंग बूथ से हटा दिया। जिसके बाद कांग्रेसी हायामा करने के लिए एक लड़का बोल रहे हैं। वे डिप्टी बी के शिवकुमार और दूसरे लोगों पर सेक्स वीडियो लीक करने का आरोप लगा रहे हैं। सिद्धारमैया ने कहा कि कुमारस्वामी को देश के कानून का समान करना होगा।

करेती थाना पुलिस ने रेवती रमण समेत 50 समर्थकों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। आरोप है कि रेवती के अंतर्गत आवाज बदलने के लिए एक छात्राओं से जुड़े हुए हैं।

करेती थाना पुलिस ने रेवती रमण को खिलाफ करने के लिए एक छात्राओं से जुड़े हुए हैं।

पोलिंग बूथ पर पहुंची महिला की मौत हो गई। महिला पोलिंग बूथ के गेट पर चक्रवर्ती रमण गिर गई। उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

पोलिंग बूथ पर पहुंची महिला की मौत हो गई। महिला पोलिंग बूथ के गेट पर चक्रवर्ती रमण गिर गई। उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

पोलिंग बूथ पर पहुंची महिला की मौत हो गई। महिला पोलिंग बूथ के गेट पर चक्रवर्ती रमण गिर गई। उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

पोलिंग बूथ पर पहुंची महिला की मौत हो गई। महिला पोलिंग बूथ के गेट पर चक्रवर्ती रमण गिर गई। उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

पोलिंग बूथ पर पहुंची महिला की मौत हो गई। महिला पोलिंग बूथ के गेट पर चक्रवर्ती रमण गिर गई। उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

पोलिंग बूथ पर पहुंची महिला की मौत हो गई। महिला पोलिंग बूथ के गेट पर चक्रवर्ती रमण गिर गई। उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

पोलिंग बूथ पर पहुंची महिला की मौत हो गई। महिला पोलिंग बूथ के गेट पर चक्रवर्ती रमण गिर गई। उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

पोलिंग बूथ पर पहुंची महिला की मौत हो गई। महिला पोलिंग बूथ के गेट पर चक्रवर्ती रमण गिर गई। उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

पोलिंग बूथ पर पहुंची महिला की मौत हो गई। महिला पोलिंग बूथ के गेट पर चक्रवर्ती रमण गिर गई। उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

पोलिंग बूथ पर पहुंची महिला की मौत हो गई। महिला पोलिंग बूथ के गेट पर चक्रवर्ती रमण गिर गई। उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

पोलिंग बूथ पर पहुंची महिला की मौत हो गई। महिला पोलिंग बूथ के गेट पर चक्रवर्ती रमण गिर गई। उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

पोलिंग बूथ पर पहुंची महिला की मौत हो गई। महिला पोलिंग बूथ के गेट पर चक्रवर्ती रमण गिर गई। उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

पोलिंग बूथ पर पहुंची महिला की मौ

संपादकीय

आशंकाएं दूर करने को बदलाव जरूरी

लालिक मोदी सरकार अग्निपथ योजना को सशस्त्र बलों की गेम-चेंजर और युवा शक्ति के जरिये सेना की ताकत बढ़ाने वाली बताती रही है, लेकिन इस योजना के दीर्घकालिक प्रभावों को लेकर सवाल गाहे-बगाहे उठते रहे हैं। यद्यपि जून 2022 में शुरू की गई अग्निपथ योजना फिलहाल गहन विभागीय जांच के अधीन है, लेकिन विशेषकर, विपक्ष को यह मुद्दा आम चुनाव के दौरान रास आ रहा है। जिन इलाकों से ज्यादा युवा सेना में जाते रहे हैं उन इलाकों में कांग्रेस ने सरकार पर तीखे हमले इस योजना को लेकर किये हैं। दरअसल, इस योजना के अंतर्गत सिर्फ पच्चीस फीसदी अग्निवीरों की सेवाओं को बरकरार रखने का प्रावधान है। यही वजह है कि चार साल का कार्यकाल पूरा होने पर सेवा से बाहर होने वाले अग्निवीरों का मुद्दा राजनीतिक हलाकों में विवादास्पद रहा है। यही वजह है कि कांग्रेस ने अपने आम चुनाव 2024 के घोषणापत्र में वायदा किया है कि वह सत्ता में आई तो इस योजना को खत्म कर देगी। साथ ही सेना, नौसेना व वायुसेना द्वारा अपनाई जाने वाली पुरानी भर्ती प्रक्रिया को युनः लागू करेगी। हालांकि रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने यह कहा था कि सरकार आवश्यकता पड़ने पर योजना में कोई भी बदलाव लाने को लिये तैयार है। इस बयान के कुछ सप्ताह बाद एक प्रमुख समाचार पत्र ने खबर दी है कि सेना भर्ती प्रक्रिया में अग्निवीर योजना के प्रभाव का आकलन करने के लिये एक आंतरिक सर्वेक्षण कर रही है। यह भी कि अग्निवीरों, यूनिट कमांडरों और रेजिमेंटल केंद्रों के कर्मचारियों की राय मांगी जा रही है। फिर सर्वेक्षण के निष्कर्षों के आधार पर सेना संभावित बदलावों के लिये अगली सरकार को सिफारिशें कर सकती है। हालांकि केंद्र सरकार आश्वासन देती रही है कि अग्निवीरों के रूप में शामिल किये गए युवाओं के भविष्य पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा। उन्हें सरकारी व निजी क्षेत्रों में समायोजित करने में वरीयता देने तथा स्वरोजगार के लिये प्रोत्साहित करने की भी बात होती रही है। लेकिन एक हकीकत यह भी है कि सरकार का ये वायदा 75 फीसदी रंगरूटों की नौकरी की संभावनाओं के बारे में आशंकाओं को दूर करने में विफल रहा है। कहा जा रहा है कि सेवा समाप्ति के बाद इन सेवानिवृत्त अग्निवीरों की रोजगार सुरक्षा दांव पर होगी। यही वजह है कि विपक्षी राजनीतिक दल, खासकर कांग्रेस इस नारजी का फायदा उठा रही है। पार्टी ने हरियाणा में इसे चुनावी मुद्दा बनाने की भरसक कोशिश की है। निस्सदैह, मौजूदा परिवृश्य में अग्निपथ की गहन समीक्षा आवश्यक है। सैनिकों की कार्यशील आयु कम कर एक सैन्य बल तैयार करने के मकसद को लेकर कोई किंतु-परन्तु नहीं है। लेकिन इस योजना के दूरगमी प्रभावों को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। देश में व्यापक बेरोजगारी व अल्प रोजगार की स्थिति को ध्यान में रखते हुए निराश युवाओं के पुनर्वास के लिये सार्वजनिक और निजी क्षेत्रों में समायोजन के लिये वृद्ध प्रतिबद्धता की आवश्यकता होगी। यद्यपि यह भी हकीकत है कि राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े गंभीर मुद्दों को राजनीति का विषय नहीं बनाया जाना चाहिए। लेकिन सरकारों का भी दायित्व है कि सेना की संवेदनशीलता को ध्यान में रखते हुए प्रयोगों से बचा जाए। वैश्विक स्तर पर कई विकसित देशों में ऐसे प्रयोग हुए हैं और सफल भी रहे हैं। लेकिन भारत जैसे देश जहां व्यापक बेरोजगारी है और पीढ़ी-दर-पीढ़ी सेना में भर्ती होने की गौरवशाली परंपरा रही है, उनकी भावनाओं से खिलवाड़ नहीं किया जा सकता। युवाओं के लिये सेना की नौकरी जीवन-यापन ही नहीं, विवाह का भी आधार होता है। जब तक उनकी गृहस्थी बसेगी, तब तक उनके रिटायर होने की स्थिति बनने लगेगी। यह असहज करने वाली स्थिति है। सेना के जोखिमों को देखते हुए जवानों की सामाजिक व आर्थिक सुरक्षा के प्रति स्थायित्व होना जरूरी है। निश्चित रूप से देश की सुरक्षा और अग्निवीरों के भविष्य में सामंजस्य बेहद जरूरी है। अन्यथा राष्ट्रीय सुरक्षा जैसे लक्ष्य में भविष्य की अनिश्चितता जवानों की कार्यक्षमता को भी प्रभावित कर सकती है।



**दैहिक दैविक भौतिक तापा ।
राम राज नहिं काहुहिं ब्यापा ॥**

आज का राशिफल

आज का राशिफल

मेष- चिरवाञ्छित कार्यों में सफलता, शारीरिक सुख, नवउत्तरदायित्व का निर्वाह, 'बकाए धन की प्राप्ति का सुयोग, अधीनस्थ कर्मचारियों का सहयोग प्राप्त।

वृषभ- निराशा, स्वास्थ्य में शिथिलता, योजना अपूर्ण, अपव्यय, शेष समय में भौतिक सुख सुविधा में वृद्धि, अध्यवसाय की देशे कठाप।

मिथुन- समय बेहतर, नवयोजना दृष्टिगत, वैमनस्यता का समापन, शेष समय में दैनिक कार्यों के प्रति उदासीनता, समस्याओं से

कर्क- बुद्धि चातुर्य से कुछेक कार्यों में अनुकूलता, नौकरी में चिन्तित।

पदोन्नति, धन संचय की ओर प्रवृत्ति, वैवाहिक जीवन में मधुरता, आवागमन में सफलता, लाभ भी।

प्रस्तुति- दिनचर्या व्यापास्थत, समस्या का सताषजनक समाधान, प्रियजनों से अनुकूलता, व्यापारिक बातावरण मनोनुकूल, व्यक्तित्व का विकास, प्रेम सम्बन्धों में मधुरता।

कन्या- प्रतिकूलता प्रभावी, व्यापारिक पक्ष से चिन्तित, वाहन से भय, शेष समय में अधूरे कार्य प्रगति पर, आर्थिक लाभ, देने-देंे के —

तुला- किसी योजना का श्रीगणेश, सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि, शेष समय में स्वास्थ्य प्राप्ती, लाभ का सर्व अवसर !

वृद्धिक- अधूरी या नवयोजना पर कार्यारम्भ संभव, यश-मान-प्रतिष्ठापक कल्य सम्पादित, स्वास्थ्य संधार पर, आपसी

धनु- स्वयं का लिया गया निर्णय हितकर, अधूरी योजना पर मिठों
प्रतिष्ठापक कृत्य सम्मादित, स्वास्थ्य सुधार पर, आपसा
वैमनस्यता का समापन, यात्रा सुखद।

जु के विचार-विमर्श, धन संचय में प्रवृत्ति, प्रभावशाली हस्तियों से सम्पर्क, प्रेम सम्बन्धों में प्रगाढ़ा ।

मकर- प्रतिकूलता, पुरुषार्थ के प्रति अरुचि, उन्नति का मार्ग
अवरुद्ध, शेष समय में उलझनों में कमी, प्रयास सार्थक।
कम्प- शाख परिवार में मंगल आयोजन, मित्रों से सहयोग, मेल-

कुम्भ- शुभ पारवार में मगल आयोजन, भित्र से सहयोग, मल-
मिलाप में रुचि, शेष समय विपरीत, मनोबल में कमी,
कठिनाइयों से तनाव ।

मीन- मनोभिलासित योजना में सफलता, स्थान-परिवर्तन की दिशा
में — र्वा — दे — र्वी — दे — र्वी — दे — र्वी — दे

में कार्यक्रम, बकाये धन की प्राप्ति, भोग-विलासिता की ओर रुझान, व्यक्तिगत जीवन में उपलब्धि। पारस्परिक सम्बन्धों में मनमुटाव, सुख के साधन में कमी की अनुभूति, सत्रु हानि पहुँचाने में असफल।

पूरब और पश्चिम में बदलता शक्ति संतुलन

प शिखी जगत और बाकी की दुनिया के बीच बढ़ते जा रहे मुकाबले में, अब यह स्पष्ट है कि भले पश्चिम के हाथ में अभी भी अधिक ताकत हो किंतु वह कमजोर पड़ता जा रहा है एशिया-प्रशांत क्षेत्र में, अमेरिका की नौसेना का रुख अब बदलकर वाली भूमिका से बदलकर प्रतिरोधक में तब्दील हो गया है आर्थिक परिधि में भी, अमेरिका का रवैया आक्रामकता से (तकनीक पर प्रतिबंध, व्यापार पर रोक और आर्थिक नाकाबंदी) से बदलकर रक्षात्मक (अमेरिकी बाजार में आयातित वस्तुओं पर अतिरिक्त कर लगाना) हो गया है और यूक्रेन को मिला पश्चिमी समर्थन रूस को नहीं रोक पाया मात्रों ने शायद समय से पहले ही घोषणा कर दी थी : एक दिन पूरब

प्रकार के रक्षात्मक खेल (जो कि भारी सब्सिडी देकर अमेरिका उत्पादकता को फिर से जिंदा करने का दूसरा पहलू है) पहले अपने गए आक्रामक रुख के विपरीत है उम्मीद यह थी कि उक्त आक्रामक कदम अमेरिका के दुश्मनों को धेराबंदी करेंगे। कोई शक नहीं विप्रतिबंधों से चुभन होती है (जैसे कि हमेशा प्रतिबंधों के मामले में होता है) लेकिन इसका असर आंशिक रहा। रूस ने अपने तेल एवं गैस के लिए नए ग्राहक ढूँढ़ लिए जबकि पूरबी यूरोप को अपने ऊर्जा जरूरतों के अहम स्रोतों के तौर पर सस्ती रूसी गैस से हाथ धोना पड़ा, जिससे जर्मनी जैसे मुल्क की भी आर्थिकी हिल गई। इसी बीच, रूसी अर्थव्यवस्था में बद्दोररी होती गई। रूस और चीन दोनों ने भुगतान का नया तरीका विकसित कर लिया और इससे डॉलर पर निर्भरता न रही (अब इनका 95 फीसदी व्यापार स्थानीय मुद्रा में हो रहा है), यहां तक कि एक अलग स्विप्ट नामक बैंकिंग संचार प्रणाली भी विकसित कर ली है। रूस के रिजर्व खजाने में आज डॉलर के मुकाबले चीनी मुद्रा रेनमीबिस का भंडार अधिक है उधर चीन अपना धन सोने में बदल रहा है, जिसके लिए पिछले 18 महीनों में भारी स्वर्ण खरीदारी की है। भले ही पीपुल्स बैंक के ऑफ चाईना का वर्तमान 2,250 टन सोना कुल रिजर्व भंडार का 5 प्रतिशत से भी कम है, लेकिन आज तक की तारीख तक यह मात्रा सबसे अधिक है। जहां तक तकनीक का मामला है, कि सर्स अन्य देश के मुकाबले चीन इस क्षेत्र में अधिक तेजी से तकरीकी कर रहा है। स्वच्छ ऊर्जा, सौर ऊर्जा

और लिथियम बैटरी से चालित वाहन या अन्य उपकरणों में प्रयुक्त इस विशेष जरूरत की आपूर्ति के मामले में चीन बाकी देशों से कहीं आगे है और कुछ मंडियों में अपनी धाक बना चुका है। अब वह इलेक्ट्रॉनिक्स, लाइफ साइंस और रक्षा उत्पादन क्षेत्र में नई खोज के बूते लंबी छलांग लगाने में सक्षम है। उदाहरणार्थ, हुआवे ने हाल ही में 7 नैनोमीटर वाली चिप से युक्त अपने नए स्मार्ट फोन से पश्चिमी जगत को चौका डाला और अब 5 नैनोमीटर वाली चिप तैयार करने पर काम चल रहा है। उसने अगले साल तक चिप निर्माण में 75 फीसदी आत्मनिर्भरता पाने का लक्ष्य रखा है। इसी बीच, पश्चिमी देशों की दवा उत्पादक कंपनियों ने भी शंघाई के निकट सुज़होऊ में बायो-बे जैसे विशालकाय नवोन्मेषण केंद्र में बायोफार्मा और लाइफ साइंस में हो रही तरक्की के बूते चीन की उभरती सरदारी को मान्यता दी है। रक्षा क्षेत्र में, चीन अपना चौथा विमानवाहक पोत बना रहा है जो शायद परमाणु ऊर्जा चालित होगा, यह एक अन्य तकनीक बाधा लांधने का प्रतीक है। सच्चाई यह है कि चीन के तकनीक विकास रथ को रोकने में बहुत देर हो चुकी है। रक्षा मोर्चे पर, पश्चिमी टिप्पणीकारों को इस संभावित उलटफेर की चिंता सता रही है कि कहीं रूस यूक्रेन में अपने मंसूबों में सफल हो गया तो आगे बाकी अर्ध-बर्बाद देश को न कब्जा ले। यदि डोनाल्ड ट्रॉप की वापसी बतार राष्ट्रपति हो गई और उन्होंने नाटो संगठन से किनारा करने की अपनी पूर्व धमकी पर अमल कर डाला, तो हालात और बदतर हो सकते हैं। मानव संसाधन, उपकरण, युद्धक सक्षमता और उत्पादक क्षमता में अत्यधिक तंगदस्ती के चलते समूचा यूरोप शीतयुद्ध काल के बाद से लेकर आज के बक्त तक, एकाएक खुद को अधिक जोखिम में महसूस करने लगा है। यूरोपियन देशों का रक्षा बजट पिछले कुछ सालों से सकल घेरेलू उत्पाद के तयशुदा ऊपरी अधिकतम स्तर यानी 2 फीसदी को छू गया है। लेकिन अमेरिकी मदद के आश्वासन के बिना यूरोप को व्यवहार्य रक्षा निर्भरता बनाने में कम से कम एक दशक का बक्त लगेगाञ्ज इसमें अमेरिका प्रदत्त परमाणु सुरक्षा चक्र का जिक्र नहीं है। वहीं इसके मुकाबले, रूस और चीन परस्पर सहयोग बनाने में अप्रसर हुए हैं और विश्व में अन्य जगहों पर राजनयिक रूप से नंबर बनाने में सफल हुए हैं। सीरिया में रूस ने सफलतापूर्वक अपना पत्ता चला है और अब वह ईरान से ड्रेन प्राप्त कर रहा है। पिछले साल चीन ने मध्यस्थिता करके ईरान और सऊदी अरब के बीच इश्तों को सामान्य बनवाया। जहां अफ्रीका में चीन इस महाद्वीप के मुल्कों की धन संबंधी जरूरत पूरा करने में अमेरिका से ज्यादा पैसा दे रहा है वहीं एक के बाद एक देश फ्रांसिसी और अमेरिकी सैनिकों को बाहर का रास्ता दिखा रहे हैं और उनकी जगह रक्षा के लिए रूसी सैनिकों को आमंत्रित कर रहे हैं। यहां तक कि दक्षिण-पूर्वी एशिया में भी, वे मुल्क जिनकी अर्थव्यवस्था चीन से जुड़ी हुई है और इस इश्तों में इजाफा हो रहा है, वे अमेरिका और चीन के बीच चुनाव करने में भेद नहीं करना चाहते। जैसा कि यूक्रेन को दिए जाने हथियारों के मामले में देखने को मिला, अमेरिका ने अपने रवैये से बार बार दिखा दिया है कि वह एक गैर-भरोसे योग्य मददगार है पश्चिमी टिप्पणीकार इस तर्क से दलील देते हैं कि चीन लंबे असेंस के द्वारा देने का एकमव ध्येय अपने व्यापारिक उद्देश्यों की पूर्ति करना है और इसके लिए तगड़ी सरकारी सहायता देकर उद्योगों को बढ़ावा देने का रहा है और अपनी मुद्रा की कीमत में इजाफा किए बगैर अन्य देशों के साथ बहुत बड़ा व्यापारिक आयात-निर्यात असंतुलन पैदा कर रहा है इसलिए देर से सही उसने पश्चिमी जगत को प्रतिरोधक उपाय करने को जगाया है। यह सही भी है। किंतु जो बात वे साथ नहीं जोड़ते वह यह कि चीन के पास अपनी अति प्रतिस्पर्धात्मक घेरेलू मंडी है। उदाहरणार्थ, चीन के भीतर, इलेक्ट्रिक वाहन बनाने वाली और कुछ नहीं तो 135 कंपनियां हैं। जाहिर है जो सबसे योग्य होगा वह बचेगा, इसलिए दुनियाभर में बीवाईडी अग्रणी इलेक्ट्रिक कार कंपनी बनने के अग्रसर है। तथापि यदि माल खपाने के लिए बड़ी मंडियों से महरूम कर दिया जाए तो चीनी उत्पादकों कंपनियों की क्षमता के लिए यह बाधा एक बड़ी चुनौती हो जाएगी किंतु भारत का अनुभव बताता है उच्च आयात कर की दीवार खड़ी करके भी चीनी माल को आने से नहीं रोका जा सकता। आज की दुनिया में, चाहे विषय रक्षा का हो या तकनीक की तरक्की का या फिर उत्पादकता एवं व्यापार की ताकत का या राजनयिक चतुराई इसके संक्षेप में कहें तो वैश्विक शक्ति संतुलन या व्यापार की ताकत पहले से कहीं अधिक है।

तब और अब



थे। क्या हुआ किरण को? वो भी तो कहीं इंजीनियर ही थी न? सूरज ने मेरे कंधे पर हाथ रखा और चहकते हुए बोला, अरे यार, योगी! गजब हो गया है। पता है यार, वो किरण आजकल चीफ इंजीनियर हो गई है और मेरी बॉस आजकल वही है। मैं बुरी तरह चौंकते हुए बोला, अरे क्या कह रहा है तु? वो किरण वो कब बन गई चीफ इंजीनियर? तेरी बॉस है वो? तू मिला है क्या किरण से? मैंने सवालों की झड़ी-सी लगा दी, तो सूरज ने सारी बात विस्तार से बताते हुए कहा, यार, योगी! इंटरसीडिप्ट करने के बाद किरण को तो सीधे बी.टेक. में दाखिला मिल गया था, लेकिन मुझे डिप्लोमा में एडमिशन लेना पड़ा था! बाद में मैं भी ए.एम.आई.इ. करके प्रमोशन लेता रहा। लेकिन मेरे भाई! किरण की तो पहली पोस्टिंग ही सहायक अभियंता के पद पर हुई थी इसीलिए उसे तो प्रमोशन भी जल्दी-जल्दी मिलते गए और आजकल तो किरण हमारी चीफ इंजीनियर है; लखनऊ में ही बैठती है यार। मुझे किरण के बारे में बताते हुए सूरज प्रकाश काफी उत्साहित-सा लगा। अनायास ही सूरज बोला, यार! पिछले सप्ताह एक बहुत जरूरी मीटिंग थी, लेकिन तब तक तो मुझे दूर-दूर तक भी पता नहीं था कि हमारे साथ इंटरसीडिप्ट में पढ़ी हुई किरण सूद ही चीफ इंजीनियर है असल में यार उसने तो इंटरकास्ट मैरिज करके अपना सरनेम ही बदल लिया है। हमारे साथ पढ़ी हुई किरण सूद तो अब किरण सिंह बन गई है। सच कहूँ यार! उसे देख कर मैं तो अचैर्भे में पड़ गया था। अब तो मेरी भी उत्सुकता बढ़ती जा रही थी। मुझे लगा कि कई वर्षों पहले का अतीत जैसे मेरी आंखों के सामने खुद-ब-खुद साकार होने लगा था। मुझे बेहद भोली-सी, दुबली-पतली सी लड़की का चेहरा याद आया, जो प्रिसिपल साहब के कहने पर मेरे साथ टीम बनाकर एक स्थानीय भाषण प्रतियोगिता में जाने को तैयार हो गई थी। मुझे याद आया कि मैंने उसे जो भाषण लिखवाया था, उसे पहली बार में ही उस हिम्मती लड़की ने पूरे जोशें के साथ प्रतियोगिता में बोलकर सांत्वना पुरस्कार भी जीता था और हम दोनों कॉलेज के लिए बहुत ही बढ़िया शील्ड जीत कर लाए थे। कॉलेज में जब जीती हुई शील्ड हमने अपने प्रिसिपल साहब को दी थी, तब बहुत ही शालीनता और कृतज्ञता के स्वर में किरण सूद ने प्रिसिपल साहब को कहा था, सर, मुझे आज जो यह प्राइज मिला है, वह भैया के कारण ही मिला है। प्रिसिपल-ऑफिस से बाहर आकर मैंने भी बेहद खुश होकर किरण से कहा था, सच कहूँ, किरण! तुम बहुत हिम्मत वाली लड़की हो बहुत बढ़िया बोली हो तुम! असलियत तो ये है कि तुहारे कारण ही हमारे कॉलेज को आज यह शील्ड मिली है। जाने क्या हुआ कि किरण अत्यंत भावुक हो कर मेरे दोनों हाथ पकड़ कर बोली थी, यह तुम्हारा बढ़ाप्णन है भैया! सच बताऊं तो तुम भी हँसने लगोगे। जब तभी तुमने अपनी उंगलियों से वी बनाकर जो हिम्मत मुझे दी, उसीसे के कारण मैं बोलती गई। थैंक यू वैरी मच भैया। फर्स्ट तो तुम ही आए हो, तभी तो हमें यह शील्ड मिली है। **क्रमशः**

